हिंदी विभाग

परिचय :→ महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक से संबद्ध कन्या महाविद्यालय, खरखौदा का हिंदी विभाग 1993 से कार्यरत है। यह विभाग अपनी कार्यकुशलता तथा शैक्षणिक दक्षता के कारण संपूर्ण महाविद्यालय में अपनी विशेष पहचान रखता है। सन् 2013-14 से हिंदी विभाग में स्नातकोत्तर (M A) कक्षाओं की शुरूआत की गई। हिंदी विभाग को गौरवान्वित करने का श्रेय डॉ० सुरेश बूरा, डॉ० अनुरिता नरवाल तथा श्रीमती प्रमिला को जाता है।

हिंदी विभाग के लिए बड़े ही गर्व एवं हर्ष का विषय है कि डॉ० सुरेश बूरा जी वर्तमान में कन्या महाविद्यालय के प्राचार्या पद को भी सुशोभित कर रही हैं। इसके साथ ही डॉ० सुरेश बूरा जी म० द० वि० की UMC कमेटी तथा Punishment for use of unfair means कमेटी की सदस्य हैं। डॉ० बूरा जी तीन बार विश्व हिंदी सम्मेलनों जोहान्सबर्ग, भोपाल तथा मॉरीशस में शिरकत करते हुए अपना शोध आलेख प्रस्तुत कर चुकी हैं तथा महिला सशक्तिकरण विषय पर दूरदर्शन के हिसार स्टूडियो में भी प्रस्तुति दे चुकी हैं। इनको दो बार श्री रामचंद्र मिशन (भारत और भूटान द्वारा संचालित) द्वारा सम्मानित किया जा चुका है। इन्हें म० द० वि० द्वारा यूथ रेड क्रॉस के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया जा चुका है।

वर्तमान में हिंदी विभाग में श्रीमती प्रमिला, डॉ० प्रियंका तथा श्रीमती सुशीला कार्यरत हैं, जो अपनी कर्मठता तथा लगन से हिंदी विभाग को समृद्ध बना रही हैं।

उद्देश्य :→ साहित्य और समाज का घनिष्ठ संबंध है। इसीलिए साहित्य मनुष्य के संवेगात्मक और ज्ञानात्मक विकास में वृद्धि करता है, किंतु आज के इस वैश्वीकरण के दौर में वैज्ञानिक और तकनीकी विकास के कारण सूचना तंत्र के बढ़ते प्रभाव के कारण साहित्य आज हाशिए पर चला गया है। लेकिन यह विचार करने योग्य है कि साहित्य मात्र पठन-पाठन तक सीमित नहीं, अपितु युगीन परिवेश, मानव तथा समाज के संवेदनात्मक ज्ञान का पर्याय है। तथ्य और तर्क को संवेदना और विवेकशीलता से जोड़कर भविष्य का संतुलित और समग्र विकास कर सकने की दायित्व क्षमता से नई पीढ़ी को सम्पन्न करना हिंदी का लक्ष्य है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए आवश्यक है कि साहित्य के ज्ञानात्मक और संवेदनात्मक अध्ययन के द्वारा छात्राओं को सृजक और विश्लेषक व्यक्तित्व प्रदान करना।

इसलिए सृजनात्मक लेखन के साथ-साथ हिंदी के साहित्यिक रूपों व विभिन्न शैलियों को समझने की योग्यता का विकास करना हिंदी विभाग का लक्ष्य है।

विजन (VISION) :→ हिंदी विभाग का लक्ष्य है कि वह अपनी छात्राओं की हिंदी पठन, लेखन तथा हिंदी के साहित्यिक रूपों व विभिन्न शैलियों को समझने में सहायता करता है ताकि छात्राओं में अन्तर्दृष्टि के विकास के साथ-साथ उनके दृष्टिकोण का भी विकास हो जिससे उनमें जिम्मेदारियों को समझने तथा आत्मविश्वास को बढ़ावा मिले और समाज तथा राष्ट्र निर्माण में वे अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें।

मिशन :→ हिंदी विभाग का उद्देश्य सामाजिक स्तर पर छात्राओं को गुणवत्ता युक्त उच्च शिक्षा प्रदान करना है जिससे उनमें नैतिक तथा मानवीय मूल्यों का विकास हो। इसके साथ ही एक ऐसा रचनात्मक वातावरण प्रदान करना है जिससे छात्राएँ साहित्य के साथ-साथ जनसंचार माध्यमों का शिक्षण प्राप्त कर व्यावसायिक रास्ता चुनने में सक्षम हो सकें और सामाजिक मुद्दों पर तर्कसंगत ढंग से विचार करने में योग्यता प्राप्त कर सकें।

गोल्स (Goals) :→ 1. समय-समय पर ऐसी कार्यशालाएँ आयोजित करना जिनके द्वारा छात्राएँ हिंदी भाषा, शुद्ध उच्चारण तथा लेखन सीख सकें और निजी कंपनियों में रोजगार प्राप्त कर सकें।

2. हिंदी के विद्यार्थियों के लिए लैंग्वेज लैब की सुविधा प्रदान करना।

3. एम.ए हिंदी की छात्राओं को प्रयोजनमूलक हिंदी से परिचित कराना ताकि वे रोजगार के अच्छे अवसर प्राप्त कर सकें।

4. छात्राओं को हिंदी के साथ विशेष व्याकरण संबंधी कोर्स करवाना जिससे वे प्रतियोगितात्मक परीक्षाओं की अच्छी तैयारी कर सकें।

SWOC ANALYSIS :→

STRENGTH	WEAKNESS
1. अनुभवी एवं उच्च शिक्षित फैकल्टी (प्राध्यापक गण)	1. महाविद्यालय में हिंदी की छात्राओं के लिए अलग से पुस्तकालय की व्यवस्था न होना।
2. आधुनिक आवश्यकताओं और मनोविज्ञान से युक्त पाठ्यक्रम	2. हिंदी के विद्यार्थियों के लिए हिंदी लैंग्वेज लैब न होना।
3. शिक्षण अध्यापन की आधुनिक सुविधाएँ।	

OPPORTUNITY	CHALLENGES
सरकार द्वारा हिंदी भाषा को महत्व देते हुए सभी सरकारी संस्थाओं में हिंदी में काम-काज को बढ़ावा देना। 2. हिंदी के विद्यार्थियों के लिए मीडिया और अन्य क्षेत्रों में रोजगार प्राप्ति की योग्यता विकसित होती है।	1. हिंदी को अभी कम्प्यूटर और इंटरनेट के माध्यमों में सरलता से प्रयोग करने में कठिनाई आती है। 2. हिंदी भाषा को अंग्रेजी की भांति ई-कोर्सों के रूप में सर्वसुलभ बनाने में समय लगेगा। 3. आधुनिक तकनीकी युग में हिंदी भाषा के प्रति विद्यार्थियों में रुचि की कमी होना। 4. ग्रामीण छात्राओं में शुद्ध हिंदी उच्चारण और लेखन की कमी होना।

ACTION PLAN

Steps	Impact	Time Line
1. हिंदी की छात्राओं के लिए अलग से पुस्तकालय लैंग्वेज लैब की सुविधा प्रदान करना जिससे उचित शिक्षण वातावरण बनाया जा सके।	छात्राओं में शैक्षिक योग्यता का विकास होगा, पठन और लेखन की योग्यता का विकास होगा।	2020-2025
2. ग्रामीण क्षेत्र की छात्राओं का हिंदी उच्चारण लेखन का विकास करने के लिए समय-समय पर कार्यशालाओं का आयोजन करना।	पढ़ने और सीखने की योग्यता का विकास होगा। सामाजिक संकीर्णता दूर होगी।	2020-2025
3. स्नातकोत्तर स्तर पर प्रयोजनमूलक हिंदी से परिचित कराना ताकि छात्राओं को रोजगार के अवसर प्राप्त हों।	रोजगार योग्यता का विकास होगा।	2020-2025
4. छात्राओं की मांग के अनुरूप स्नातकोत्तर स्तर पर समावेशी कोर्स की सुविधा प्रदान करना।	रोजगार योग्यता का विकास होगा, साथ ही साथ सामाजिक प्रभाव के साथ-साथ शिक्षण गुणवत्ता में 3 सुधार होगा।	2020-2025

हिंदी विभाग कार्यरत सदस्य:

→ श्रीमती प्रमिला देवी
एम.ए,एम.फिल,नेट

→ डॉ प्रियंका देवी
एम.ए,एम.फिल,पीएच.डी

→ श्रीमती सुशीला
एम.ए,बी.एड

हिंदी विभाग गतिविधियाँ
2015-16

दिनांक	गतिविधियाँ	गतिविधि में सम्मिलित छात्राओं की संख्या
1. 14 सितंबर 2015	हिंदी दिवस के अवसर पर निबंध लेखन, भाषण, कविता पाठ	45
2. 7 अक्तूबर 2015	विस्तृत व्याख्यान "भाषा विज्ञान" विषय पर	40
3. 2 नवंबर 2015	हिंदी सुलेख व शुद्ध वर्तनी प्रतियोगिता	60
4. 9 जनवरी 2016	भाषण व कविता पाठ	3+5 = 8
5. 14 अप्रैल 2016	वाद-विवाद (शिक्षा में समान अवसर)	18

हिंदी
दिवस

हिंदी विभाग गतिविधियाँ
2016-17

दिनांक	गतिविधियाँ	गतिविधि में सम्मिलित छात्राओं की संख्या
1. 13 अगस्त 2016	हिंदी सुलेख व शुद्ध वर्तनी प्रतियोगिता	50
2. 14 सितंबर 2016	हिंदी दिवस के अवसर पर निबंध लेखन भाषण, कविता पाठ, हिंदी क्लब की छात्राओं ने 'कन्या भ्रूण हत्या' पर स्लोगन व पोस्टर बनाए	35 20
3. 1 अक्तूबर 2016	वाद - विवाद प्रतियोगिता (गांधीवादी सिद्धांत)	12
4. 10 जनवरी 207	अन्तर्राष्ट्रीय हिंदी दिवस के अवसर पर भाषण, कविता पाठ, निबंध लेखन व स्लोगन प्रतियोगिता	45
5. 7 अप्रैल 2017	विस्तृत व्याख्यान "भाषा विज्ञान" विषय पर (डॉ॰ नरेश मिश्र)	50

हरियाणा स्वर्ण जयंती के उपलक्ष्य
हरियाणा साहित्य अकादमी
एवं
कन्या महाविद्यालय, खरखौदा
द्वारा आयोजित
हिंदी दिवस समारोह: 14 सितम्बर, 2007

Career Counselling Cell

Judges

हिंदी विभाग गतिविधियाँ
2017-18

दिनांक	गतिविधियाँ	गतिविधि में सम्मिलित छात्राओं की संख्या
1. 14 सितंबर 2017	हिंदी दिवस के अवसर पर निबंध लेखन, भाषण, कविता पाठ, हिंदी क्लब के अंतर्गत 'महिला सशक्तिकरण' पर स्लोगन व पोस्टर प्रतियोगिता	45 15] 60
2. 10 अक्तूबर 2017	विस्तृत व्याख्यान "भाषा विज्ञान" विषय पर (डॉ० नरेश मिश्र)	55
3. 10 जनवरी 2018	अन्तर्राष्ट्रीय हिंदी दिवस के अवसर पर कविता पाठ, भाषण, निबंध लेखन, वाद-विवाद प्रतियोगिता	52
4. 16 अप्रैल 2018	सुलेख व शुद्ध वर्तनी प्रतियोगिता	65

KANYA MAHAVIDYALAYA, KHARKH

tival
U, Rohtak
da (Sonipa

हिंदी दिवस स

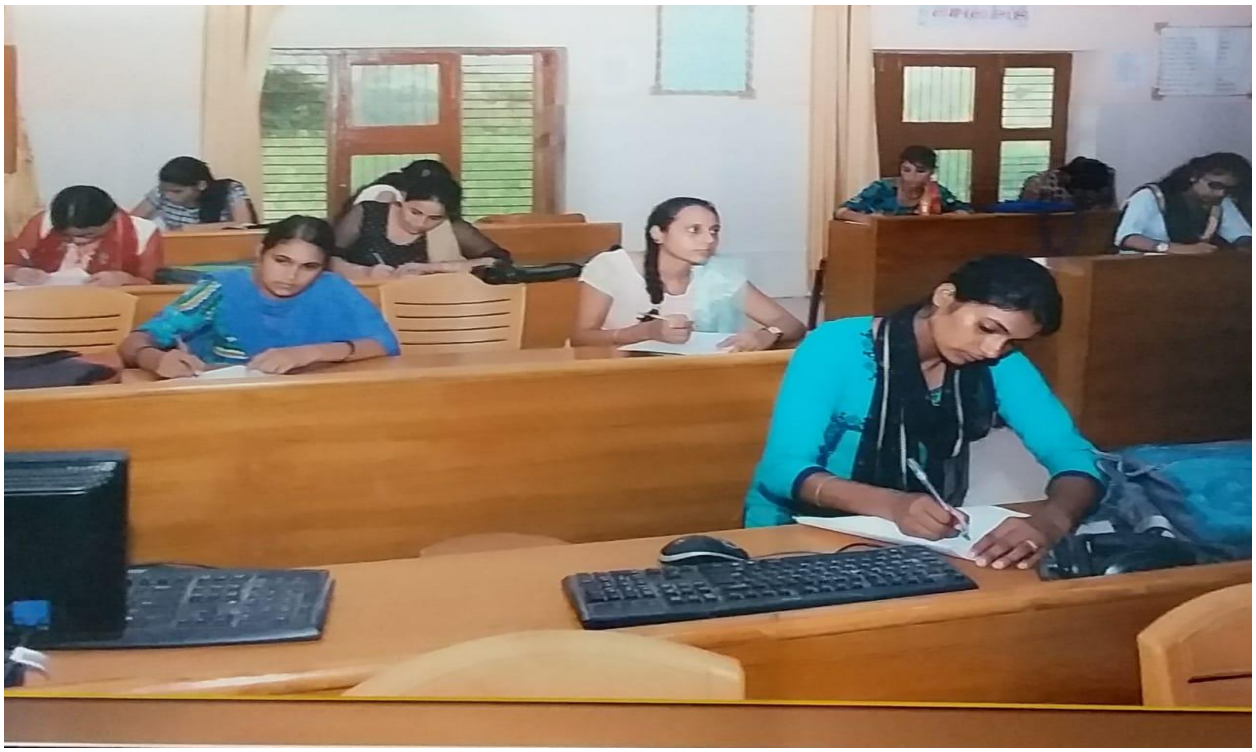

हरियाणा स्वर्ण जयंती के उपलक्ष
हरियाणा साहित्य अकाद
कन्या महाविद्यालय, खरखौदा
हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता: 14 सितम्बर, 2017

Session 2018-19

दिनांक	गतिविधियाँ	गतिविधि में सम्मिलित छात्राओं की संख्या
1. 12 अगस्त 2018	श्री रामचंद्र मिशन ट्रस्ट द्वारा आयोजित राज्यस्तरीय निबंध लेखन प्रतियोगिता	57 छात्रा ज्योति प्रथम
2. 14 सितंबर 2018	हिंदी दिवस के अवसर पर निबंध लेखन, भाषण कविता पाठ, 'पर्यावरण सुरक्षा' पर पोस्टर व स्लोगन	50
3. 28 सितंबर 2018	एकेडमिक फैस्ट राज्य स्तरीय शैक्षणिक उत्सव में वाद - विवाद प्रतियोगिता	2 निशा और कोमल
4. 28 सितंबर 2018	राज्य स्तरीय शैक्षणिक उत्सव में हिंदी और हरियाणवी कविता पाठ	2+2 = 4 छात्रा सुशीला प्रथम
5. 8 मार्च 2019	राष्ट्रीय संगोष्ठी	38 एम.ए हिंदी की सभी छात्राएँ
6. 30 मार्च 2019	विस्तृत व्याख्यान "भाषा विज्ञान" विषय पर डॉ० नरेश मिश्र	35
7. 2 अप्रैल 2019	कहानी विमर्श (बूढ़ी काकी)	54
8. 11 अप्रैल 2019	वाद - विवाद (बाजारवादी संस्कृति में बढ़ते नारी के कदम)	16

हरियाणा साहित्य अकादमी
एवं
कन्या महाविद्यालय, खरखौदा
द्वारा आयोजित
हिंदी दिवस समारोह: 14 सितम्बर 2018

साहित्य अकादमी
एवं
कन्या महाविद्यालय, खरखौदा
द्वारा आयोजित
हिंदी दिवस समारोहः 14 सितम्बर 2018
हिन्दी दिवस
हिन्दी है उत्कृष्ट विश्व में,
सब भाषाओं में अनमोल।
जन्मी भारत की पुण्य धरा पर,
हिंदी की जय-जय बोल॥

HUGS
HIV

हरियाणा साहित्य अकादमी
एवं
कन्या महाविद्यालय, खरखौदा
द्वारा आयोजित
हिंदी दिवस
14 सितम्बर

KANYA MAHAVIDYALAYA KHARKHODA
Sonipat

मौलाना अबुल कलाम आजाद को किया याद

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस पर आयोजित प्रतियोगिता में हिस्सा लेती छात्राएं● जागरण

हिंदू-मुस्लिम एकता के पक्षधर थे अबुल कलाम : दांगी

संस, गोहाना : आजाद हिंद देशभक्त मोर्चे के संरक्षक आजाद सिंह दांगी ने कहा कि मौलाना अबुल कलाम आजाद न केवल स्वतंत्रता सेनानी अपितु पत्रकार, कवि और लेखक भी थे। वे हिंदू-मुस्लिम एकता के सशक्त पक्षधर थे और 1947 में धर्म के आधार पर देश के विभाजन के सख्त खिलाफ थे। दांगी शहर में काठमंडी स्थित विश्वकर्मा स्कूल में अबुल कलाम की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता विद्यार्थियों को संबोधित कर रहे थे।

आजाद दांगी ने कहा कि मौलाना अबुल कलाम आजाद स्वतंत्र भारत के सर्वप्रथम शिक्षा मंत्री बने। अबुल कलाम आजाद 1923 में सबसे छोटी उम्र के कांग्रेस के अध्यक्ष बने। वह 1952 में हुए प्रथम लोकसभा चुनावों में सांसद निर्वाचित हुए, जिसके बाद उन्हें नेहरू मंत्रिमंडल में देश का सबसे पहला शिक्षा मंत्री बनाया गया। दांगी ने कहा कि हमें उनके आदर्शों का अनुसरण करना चाहिए। इस मौके पर संदीप, बबली, गीता, अर्चना, सोनिया, पूनम, कोमल, निशा, मोनिका, मीना मौजूद रहे।

संवाद सहयोगी, खरखौदा : कन्या कॉलेज में सोमवार को मौलाना अबुल कलाम आजाद को याद करते हुए राष्ट्रीय शिक्षा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर छात्राओं ने विभिन्न गतिविधियों में हिस्सा लिया।

इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. सुरेश बूरा ने कहा कि 2008 से प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी व शिक्षाविद् मौलाना अबुल कलाम आजाद के जन्म दिवस को मानव संसाधन मंत्रालय, नई दिल्ली के आदेश पर राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के रूप में मनाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि 1888 में स्वतंत्रता सेनानी मौलाना अबुल कलाम आजाद का जन्म हुआ था, उन्हें स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षाविद्, लेखक के रूप में जाना जाता है। मौलाना अबुल कलाम आजाद एक शिक्षाविद् तो थे ही साथ ही एक स्वतंत्रता सेनानी भी थे। स्वतंत्रता संग्राम के समय वो ही भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं में से एक थे। शिक्षामंत्री रहते हुए उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति की स्थापना की थी।

उनका मुख्य लक्ष्य प्राइमरी शिक्षा को बढ़ाना था। उन्हें 1992 में भारत रत्न से भी नवाजा गया था। भारत की आजादी के बाद मौलाना अबुल कलाम ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की स्थापना की थी। इस दौरान छात्राओं ने प्रतियोगिता में हिस्सा लेते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जिसमें संगिता, कीर्ति, खुशी का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा।

कन्या महाविद्यालय खरखौदा
सोनीपत
विभाग